

खास-खबरें

उबर ने 20 लाख से अधिक ड्राइवर्ों के लिए लॉन्च की नई सुविधाएँ

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: उबर ने भारत में अपने 20 लाख से अधिक कमाई करने वाले ड्राइवर्ों के लिए नई सुविधाओं की घोषणा की है। उबर प्रगति के तीसरे संस्करण में कंपनी ने ड्राइवर्ों की कमाई बढ़ाने, काम में लचीलापन देने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए कई नए फीचर्स पेश किए। इनमें फ्लेक्सिबल ड्राइव पास, व्हाट्सएप से ऑनबोर्डिंग, एम्बुलेंस सहायता, इन-ऐप वीडियो रिपोर्टिंग और बाइक ड्राइवर्ों के लिए कमाई के नए विकल्प शामिल हैं।

उबर के मुताबिक फ्लेक्सिबल ड्राइव पास के तहत ड्राइवर छह घंटे से लेकर 180 दिनों तक के सब्सक्रिप्शन विकल्प चुन सकेंगे। इससे पार्ट-टाइम और फुल-टाइम ड्राइवर्ों को अपनी जरूरत के अनुसार काम करने में सुविधा मिलेगी। कंपनी ने क्विकस्टार्ट फीचर भी पेश किया है, जिसके जरिए ड्राइवर व्हाट्सएप के माध्यम से उबर से जुड़ सकेंगे। वहीं, ‘अनै फर्स्ट, पे लेटर’ सुविधा के तहत पात्र ड्राइवर बैलेंस खत्म होने के बाद भी निर्धारित अतिरिक्त क्रेडिट सीमा के भीतर कैश ट्रिप जारी रख सकेंगे।

गन्ने और मक्के के बाद अब बालों से बनेगा इथेनॉल
नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबाद: भारत में पेट्रोल के साथ मिलाने के लिए इथेनॉल का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में अब एक नया प्रयोग सामने आया है। गुजरात की एक नवाचार कंपनी ने मानव बालों से इथेनॉल बनाने की तकनीक विकसित करने का दावा किया है। अब तक इथेनॉल उत्पादन के लिए मुख्य रूप से गन्ने और मक्के जैसे कृषि उत्पादों का उपयोग किया जाता रहा है। ऐसे में बालों से इथेनॉल तैयार करने की पहल वैकल्पिक स्रोतों की खोज के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। देश में पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की व्यवस्था का उद्देश्य पेट्रोलियम इंधन पर निर्भरता कम करना और वैकल्पिक इंधन के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसके लिए गन्ने के रस, शीरे और मक्के जैसे कच्चे पदार्थों से इथेनॉल तैयार किया जाता है। हालांकि, इन स्रोतों की उपलब्धता कृषि उत्पादन, मौसम और अन्य परिस्थितियों पर निर्भर करती है। गुजरात की कंपनी का दावा है कि मानव बालों का उपयोग करके भी इथेनॉल तैयार किया जा सकता है। इस पहल में ऐसे पदार्थों के उपयोग की संभावना तलाशने पर जोर है, जिन्हें सामान्यतः बेकार समझकर फेंक दिया जाता है। बालों से उच्चग्रे की उत्पाद तैयार करने की कोशिश कचरे के बेहतर प्रबंधन की दिशा में भी एक नया विकल्प प्रस्तुत करती है। मानव बाल मुख्य रूप से केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते हैं। इसकी संरचना जटिल होने के कारण इसे उपयोगी रासायनिक पदार्थों में बदलने के लिए विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। बालों से इथेनॉल बनाने की तकनीक को बड़े स्तर पर अपनाने से पहले उत्पादन की क्षमता, लागत और प्रक्रिया की व्यावहारिकता का आकलन जरूरी होगा। यदि यह तकनीक व्यावसायिक स्तर पर सफल होती है, तो बालों जैसे अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग का नया रास्ता खुल सकता है।

इंडिगो का जुलाई-सितंबर तिमाही में घाटा कम होकर 1,879.1 करोड़
नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (जुलाई-सितंबर) दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। कंपनी को सालाना आधार पर दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा करीब 27 फीसदी घटकर 1,879.1 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में इंडिगो को 2,582.1 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026–27 की दूसरी तिमाही में इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल आय बढ़कर 24,311.9 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 19,599.5 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 26,188.4 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान विमान इंधन पर खर्च बढ़कर 9,996.8 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने कहा, सितंबर तिमाही में जो कि मौसमी रूप से कमजोर रहती है, इंधन की लागत बहुत अधिक रही और भू-राजनीतिक उथल-पुथल भी जारी रही। उन्होंने कहा कि खर्च घटाने के उपाय जारी रखेंगे लेकिन लागत में बड़ी कटौती की उम्मीद न करें। वॉल्श ने कहा कि कंपनी की लागत संरचना बेहद दक्ष, मजबूत नकदी स्थिति से मिलते हैं कई विकल्प। हमने समझदारी से अपनी क्षमता (कैपेसिटी) में कटौती की और यील्ड मैनेजमेंट (आय प्रबंधन) पर ध्यान दिया।

स्पेशल खबर

भविष्य में काम करना वैकल्पिक हो सकता और लोगों की आय बढ़ सकती है...

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट करेंगे ज्यादातर काम: एलन मस्क

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: तकनीकी उद्यमी एलन मस्क ने भविष्य की ऐसी तस्वीर पेश की है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट दुनिया के अधिकांश काम संभाल सकते हैं। उनके विचार के अनुसार, तकनीक के तेजी से विकास से वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ेगा। इससे लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकती हैं और भविष्य में काम करना जीवनयापन की अनिवार्यता नहीं रह जाएगा।

एक कार्यक्रम में मस्क ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिकी के संभावित प्रभावों पर चर्चा की। उनका मानना है कि आने वाले समय में मशीनें कई ऐसे काम कर सकेंगी, जिन्हें आज मनुष्य करते हैं।



उत्पादन और सेवाओं की क्षमता बढ़ने से समाज में आर्थिक समृद्धि का नया दौर आ सकता है। इस स्थिति में लोगों को अपनी

आवश्यकताएं पूरी करने के लिए पहले की तरह काम पर निर्भर नहीं रहना पड़ सकता।

काम करना हो सकता है

वैकल्पिक

मस्क की भविष्य संबंधी कल्पना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। स्वचालित प्रणालियां उद्योगों, परिवहन, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में काम करने की क्षमता बढ़ा सकती हैं। इससे कम समय में अधिक उत्पादन संभव हो सकता है। यदि तकनीकी प्रगति का लाभ व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचता है, तो जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। मस्क के विचारों के अनुसार, भविष्य में लोगों को अपनी आजीविका के लिए काम करने के बजाय अपनी रुचि और पसंद के अनुसार

काम करने का अवसर मिल सकता है।

तकनीक के साथ जोखिम भी

हालांकि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटों का बढ़ता उपयोग कई चुनौतियां भी पैदा कर सकता है। मशीनों के कारण पारंपरिक रोजगार के स्वरूप में बदलाव की आशंका है। कई क्षेत्रों में मनुष्यों द्वारा किए जाने वाले काम स्वचालित प्रणालियां संभाल सकती हैं। इससे कामगारों को नए कौशल सीखने और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं की तैयार करने की जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा, तकनीकी प्रगति से होने वाले आर्थिक लाभ का वितरण भी महत्वपूर्ण प्रश्न होगा।

शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 905 अंक उछला; निफ्टी 22,937 पर बंद

रियल एस्टेट, दैनिक उपभोग की वस्तुओं और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार को मिला सहारा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जोरदार तेजी दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 905 अंक यानी 1.24 प्रतिशत चढ़कर 74,151 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 238 अंक बढ़कर 22,937 अंक पर पहुंच गया। रियल एस्टेट, दैनिक उपभोग की वस्तुओं और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार को मजबूती मिली।

बाजार में तेजी के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को 3.75 से 4 प्रतिशत के बीच स्थिर रखा। इससे निवेशकों को राहत मिली और वैश्विक बाजारों के साथ भारतीय बाजार में भी सकारात्मक माहौल बना। विदेशी और घरेलू

संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार को सहारा दिया। बुधवार को विदेशी निवेशकों ने 871.83 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 643.35 करोड़ रुपये का निवेश किया। विदेशी निवेशकों ने पिछले सात दिनों में लगभग 4,537 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

बड़ी कंपनियों के परिणामों का असर

सितंबर तिमाही के बेहतर परिणामों से कई प्रमुख कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। अडानी पोर्ट्स का लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 3,682.44 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के शेयर में पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़त



दर्ज की गई। पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस, इन्फोसिस और टीसीएस के

शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी बाजार

हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में बड़ी छलांग, सालाना 5.5

लाख मीट्रिक टन से अधिक की खरीद प्रतिबद्धता

▶ वर्ष 2026 में 18 नए आपूर्ति समझौतों पर हस्ताक्षर

▶ परियोजनाओं से 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश आकर्षित होने की उम्मीद

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत हरित हाइड्रोजन के वैश्विक बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है। अक्टूबर 2026 तक भारतीय कंपनियों ने हरित हाइड्रोजन और उससे बनने वाले इंधनों की आपूर्ति के लिए सालाना 5.55 लाख मीट्रिक टन से अधिक की प्रतिबद्धताओं से जुड़े समझौते किए हैं। वर्ष 2026 में ही 18 नए आपूर्ति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनके तहत सालाना चार लाख मीट्रिक टन से अधिक हरित हाइड्रोजन समतुल्य इंधन की आपूर्ति निर्धारित है।

केंद्र सरकार के अनुसार, वर्ष 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू होने के बाद से कुल 23 खरीद समझौते किए गए हैं। इनमें 70 प्रतिशत से अधिक मात्रा निर्यात के लिए निर्धारित है। इन परियोजनाओं में लगभग 90 हजार करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है। सरकार का लक्ष्य स्वच्छ इंधन के उत्पादन को बढ़ाकर पारंपरिक जीवाश्म इंधनों पर निर्भरता कम करना है।



राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को वर्ष 2029-30 तक के लिए 19,744 करोड़ रुपये के प्रारंभिक परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई थी। इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष कम से कम 50 लाख मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का

उत्पादन करना है। मिशन के तहत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 125 गीगावाट की वृद्धि, आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश और छह लाख से अधिक रोजगार सृजित करने का लक्ष्य भी रखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आपूर्ति की तैयारी

भारतीय कंपनियों ने जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया सहित विभिन्न देशों की कंपनियों के साथ हरित अमोनिया और हरित मेथनॉल की आपूर्ति के समझौते किए हैं। एसीएमई समूह ने जापान की आईएचआई के साथ सालाना 4.88 लाख मीट्रिक टन हरित अमोनिया की आपूर्ति का समझौता किया है। इसी समूह ने जापान की मित्सुबिशी गैस केमिकल को सालाना एक लाख मीट्रिक टन हरित मेथनॉल देने के लिए भी समझौता किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने दक्षिण कोरिया की सैमसंग सी एंड टी के साथ तीन अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का दीर्घकालिक हरित अमोनिया आपूर्ति समझौता किया है। इसके तहत वर्ष 2028 तक आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, एएम ग्रीन ने जर्मनी की कंपनियों के साथ हरित अमोनिया की आपूर्ति के समझौते किए हैं। जापान की बिजली उत्पादक कंपनी जेईआरए के साथ भी दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए प्रारंभिक समझौता हुआ है।

आठ हजार रुपये से कम में घर लाएं 32 इंच का टेलीविजन

▶ कम बजट में नया टेलीविजन खरीदने वालों के लिए अवसर

▶ विशेष बिक्री के दौरान मिल रहा रियायती कीमत पर उपकरण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिवाली के अवसर पर नया टेलीविजन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए कम बजट में एक विकल्प सामने आया है। त्योहारी बिक्री के दौरान बिलियन कंपनी का 32 इंच वाला एलईडी टेलीविजन आठ हजार

रुपये से कम कीमत में उपलब्ध कराया जा रहा है। इस छूट से उन ग्राहकों को लाभ मिल सकता है, जो कम खर्च में घर के लिए नया टेलीविजन खरीदना चाहते हैं।

त्योहारी मौसम में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीदारी बढ़ जाती है। इस दौरान कई कंपनियां अपने उत्पादों पर छूट और विशेष प्रस्ताव देती हैं। इसी क्रम में 32 इंच के टेलीविजन पर मिलने वाली रियायत बजट के अनुसार खरीदारी करने वाले ग्राहकों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

32 इंच का टेलीविजन छोटे कमरों, सीमित जगह वाले घरों और सामान्य घरेलू उपयोग के लिए उपयुक्त माना जाता है। ऐसे उपकरण उन परिवारों के लिए उपयोगी हो सकते हैं, जिन्हें बड़े आकार के टेलीविजन की आवश्यकता नहीं है। कम कीमत के कारण यह मॉडल पहली बार टेलीविजन खरीदने वाले ग्राहकों के लिए भी एक विकल्प बन सकता है। दिवाली की बिक्री के दौरान इंटरनेट आधारित खरीदारी मंचों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों में बदलाव देखने को मिलता है।

ग्राहकों को किसी उत्पाद को खरीदने से पहले उसकी वास्तविक कीमत, छूट की शर्तों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी जाननी चाहिए। इससे वे अपनी जरूरत और बजट के अनुसार सही विकल्प चुन सकते हैं। बिलियन के 32 इंच वाले टेलीविजन पर घोषित छूट के कारण इसकी कीमत आठ हजार रुपये से नीचे बताई जा रही है। हालांकि, अंतिम कीमत खरीदारी के समय उपलब्ध प्रस्तावों और अन्य शर्तों पर निर्भर कर सकती है।

ट्रेन में रात 11 बजे के बाद फोन चार्ज करना क्यों हो सकता है खतरनाक?

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: रेल यात्रा के दौरान मोबाइल फोन चार्ज करना आम बात है, लेकिन रात के समय इसमें लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। भारतीय रेल में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक डिब्बों में लगे चार्जिंग सॉकेट बंद रखने का नियम है। इस व्यवस्था का उद्देश्य बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं और आग लगने की आशंका को कम करना है।

रेल यात्रा के दौरान यात्री अक्सर अपने मोबाइल फोन, बिजली से चलने वाले अन्य उपकरण और बाहरी बैटरी को चार्ज करते हैं। हालांकि, खराब तार, क्षतिग्रस्त चार्जर या बैटरी में खराबी होने पर आग लगने अथवा उपकरण के अत्यधिक गर्म होने का खतरा पैदा हो सकता है। रात में यात्री सो रहे होते हैं, इसलिए

▶ रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक बिजली के सॉकेट बंद रखने का नियम

▶ आग लगने की आशंका को देखते हुए बरती जाती है सावधानी

किसी दुर्घटना का समय पर पता लगाना कठिन हो सकता है। मोबाइल फोन की बैटरी सामान्यतः सुरक्षित होती हैं, लेकिन उसके भीतर खराबी, अत्यधिक गर्मी या घटिया गुणवत्ता वाले चार्जर के इस्तेमाल से जोखिम बढ़ सकता है। विशेष रूप से बाहरी बैटरी को गलत तरीके से चार्ज करना या उसे गर्म स्थान पर रखना खतरनाक हो सकता है। रात के समय चार्जिंग सॉकेट बंद रखने की व्यवस्था यात्रियों की सुरक्षा को

ध्यान में रखकर की गई है। इससे सोते समय बिजली के उपकरणों को लगातार चार्ज करने से जुड़े संभावित जोखिमों को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि, केवल सॉकेट बंद रखने से सभी प्रकार की दुर्घटनाओं की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे क्षतिग्रस्त चार्जर और तारों का इस्तेमाल न करें। मोबाइल फोन को तकिए या बिस्तर के नीचे रखकर चार्ज करने से बचें। यदि फोन या बाहरी बैटरी असामान्य रूप से गर्म हो रही हो, तो उसे चार्ज करना बंद कर देना चाहिए। रेल यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करना जरूरी है। छोटी-सी लापरवाही भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

दूध आठ रुपये प्रति लीटर महंगा

सरकार का बड़ा फैसला

▶ राज्य मंत्रिमंडल ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी को मंजूरी दी

▶ उपभोक्ताओं की जेब पर बढ़ेगा बोझ



लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इसी ब्रांड का दूध खरीदते हैं। ऐसे में कीमतों में आठ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से घरेलू खर्च बढ़ने की संभावना है। दूध का उपयोग केवल पीने के लिए ही नहीं, बल्कि चाय, कॉफी, दही और अन्य खाद्य पदार्थ तैयार करने में भी किया जाता है। राज्य मंत्रिमंडल ने दूध के दाम बढ़ाने के प्रस्ताव पर निर्णय लिया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में अलग-अलग प्रकार के दूध की नई कीमतों और बढ़ी हुई दरों को लागू करने की तारीख का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है।

दूध की कीमतों में बदलाव का असर आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ उन दुकानदारों और खाद्य कारोबारियों पर भी पड़ सकता है, जो प्रतिदिन बड़ी मात्रा में दूध खरीदते हैं। कीमत बढ़ने से उनके खर्च में भी वृद्धि हो सकती है। कर्नाटक में नंदिनी दूध की व्यापक उपलब्धता और खपत को देखते हुए यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आठ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से नियमित रूप से दूध खरीदने वाले परिवारों के मासिक बजट पर असर पड़ सकता है। सरकार के इस निर्णय के बाद अब उपभोक्ताओं की नजर नई दरों और उनके लागू होने की तारीख पर रहेगी।

अल्ट्राटेक के 217 कर्मचारियों को पाँच साल में मिलेगा 3.36 करोड़ का लाभ

नईदुनिया ब्यूरो, बॉम्बे: पंजाब के बॉम्बेड़ा स्थित अल्ट्राटेक इकाई के 217 कर्मचारियों को अगले पांच वर्षों में लगभग 3.36 करोड़ रुपये का वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। इस संबंध में 14 अक्टूबर 2026 को कंपनी प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के बीच दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहमति श्रमिकों के कल्याण और प्रबंधन तथा कर्मचारियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के बीच दो समझौते, श्रम विभाग की पहल से बनी सहमति

केंद्रीय श्रम आयोग के अधीन जालंधर स्थित सहायक श्रम आयुक्त की पहल और सुलह प्रयासों के बाद ये समझौते संभव हुए। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र और

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस से जुड़े श्रमिक प्रतिनिधियों ने प्रबंधन के साथ बातचीत में भाग लिया। दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद कर्मचारियों को मिलने वाले वित्तीय लाभों का रास्ता साफ हुआ। समझौतों की प्रमुख विशेषता यह है कि तय शर्तों के अनुसार कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ वर्ष की दूसरी तिमाही से पूर्वव्यापी रूप से लागू किए जाएंगे। इससे संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित अवधि के अनुसार लाभ मिलने की उम्मीद है।